

यूरिया खरीदने वाले किसानों के रिकॉर्ड का संधारण करना होगा : कैलाश चौधरी

बीकानेर, (कासं)। खरीफ सीजन के मध्यनंजर उर्वरक की सुचारा आपूर्ति व्यवस्था को सुनिश्चित करने को लेकर जिले के समर्थ थोक उर्वरक विक्रेताओं व कंपनी प्रतिनिधियों को बैठक कृषि भवन के आत्मा सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में संयुक्त निदेशक (कृषि) कैलाश चौधरी ने समर्थ थोक उर्वरक विक्रेताओं व कंपनी प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि जिले में कृषि आदान विक्रेताओं को यूरिया खरीदने वाले कृषकों के रिकॉर्ड का संधारण करना होगा। इसके लिए अलग से रोज़स्टर लाना होगा। रोज़स्टर में खाद करने वाले किसान का नाम, पिता का नाम, चक्र, गाँव, बैंग की संख्या, खाद कंपनी का नाम, कृषक का आपार नंबर, पोबाइल नंबर लिखकर संबोधित कृषक के हस्ताक्षर कराया जायेगा। यह कदम यूरिया खाद का उपयोग गैर कृषि कार्यों में होने की आशंका के लिए कृषि विभाग द्वारा उठाया गया है।

आदान विक्रेताओं को कृषकबाज उर्वरक रोज़स्टर संधारण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यूरिया की उपयोग गैर कृषि कार्यों में जैसे पृथु आहार, प्लाईवुड, प्लास्टिक, रेसिं बनाने वाली फैब्रिक्यों में नहीं होना चाहिए ऐसा पाये जाने पर वैधानिक नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी। अतः इस तरीके से खाद का खिलाफ किसान के संघ में यूरिया खाद का उपयोग गैर कृषि कार्यों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित किया।

सहायक निदेशक उद्यान मुकेश और से यूरिया का गैर कृषि उपयोग, सरकार सब्सिडी दे रही है ताकि किसानों को सस्ते में खाद मिल सके।



संयुक्त निदेशक (कृषि) डॉ. कैलाश चौधरी ने खरीफ सीजन में उर्वरक उपलब्धता को लेकर थोक उर्वरक विक्रेताओं व कंपनी प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित किया।

उद्यानिकों की ओर से यूरिया की वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के निर्देश दिए 50 बैग यूरिया उर्वरक खरीदने वाले किसानों को सूची बनायी, जाच अधिक यूरिया की खरीद करने वाले वितरण तैयार कर आईएफएमएस पोर्टल पर अपलोड की जायेगी।

आदान विक्रेताओं को कृषकबाज उर्वरक रोज़स्टर संधारण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यूरिया की उपयोग गैर कृषि कार्यों में जैसे पृथु आहार, प्लाईवुड, प्लास्टिक, रेसिं बनाने वाली फैब्रिक्यों में नहीं होना चाहिए ऐसा पाये जाने पर वैधानिक नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जायेगी। अतः इस तरीके से खाद का खिलाफ किसान के संघ में यूरिया खाद का उपयोग गैर कृषि कार्यों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित किया।

यूरिया खाद की खपत होती है। इसलिए कृषि आयुक्तालय की ओर से आयुक्तालय की इकाईयों के लिए विशेष वितरण दिए गए हैं। कृषि विभाग की ओर से दीम बनाकर हर मंडी में फैब्रिक्यों की निरीक्षण शुरू कर दिया गया है। चार घंटे दौरान बीकानेर विद्यालय सभागार में आयोजित हुआ स्पृहीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को द्वितीय बैच सुपरवाइजर्स एवं बीएनओ को डॉ. एस. एल. राठी ने प्रशिक्षण दिया।

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर पश्चिम, लूणकरनसर, बीकानेर पूर्व एवं खाजुवाला विधानसभा क्षेत्र के द्वितीय बैच के सुपरवाइजर्स एवं बूथ लेवल अधिकारियों का विशेष गहन सुपरीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को द्वितीय बैच के लिए विद्यार्थी एवं अधिकारी एवं अतिरिक्त प्रशिक्षण विजिस्ट्रेट (नगर) रेस्मी देव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान राज्य सर्वीर मास्टर ट्रेनर डॉ. एस.एल.राठी, डॉ. वाई.बी.माथुर, डॉ. विपिन सैनी, डॉ. शमिर संसेना द्वारा प्रशिक्षण का संचालन किया गया। प्रशिक्षण में बूथ लेवल अधिकारी एवं प्रशिक्षकों को गणना प्रभरने का तरीका एवं संस्करण किए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में बूथ लेवल अधिकारी एवं प्रशिक्षकों को गणना प्रभरने का मतदाताओं परे प्राप्त गणना पार्सिं का स्तरावान संबंधी जानकारी दी गई।

पुलिस ने आयोजित के घरों के सीसीटीवी पुटेज देखे तो उसमें एक संदिधि व्यक्ति दिखाई दे रहा है। चार घंटे दौरान 2:40 बैज घर में घूस और रेती ने बताया कि एक व्यक्ति देवेंड्र सिंह राजीव ने बैठक में ही बादात की घटना के बारे में अजाम दिया है। इस तरह कारोब 2 मिनट में ही बादात को अंजाम दिया गया। बताया जा रहा है कि घर में बादर जाली बाला दरवाजा लगा था, जिसे जो ने जांचकर खोल लिया था। गोदावत, इफको से एम.आर.जाखड़, चंबल फैटिलाइजर से सुमित्र शर्मा, एनएफएल से लखबर रिंग के साथ-साथ कृषि उर्वरक विक्रेता सुनील कुमार राठी आदि मौजूद थे।

पिस्तौल व कारतूस की डिलीवरी देने आये थे, पुलिस के हत्थे चढ़े

- पूछताछ में पता चाला है कि आयोपी हथियारों की डिलीवरी देने के लिए श्रीगंगानगर आये थे

पुलिस के हत्थे चढ़े गए।

ऐसे संदेश है कि हथियारों का उपयोग किसी बारदात को अंजाम देने के लिए होना था। ऐसे में पुलिस निस्तौल की डिलीवरी लेने के लिए श्रीगंगानगर आये थे। आयोपी को पिस्तौल के बारे में एक आयोपी को गिरफतार किया है।

थानाधिकारी एसआई सीरीज ने एक आयोपी को गिरफतार किया है। आयोपी को निस्तौल की डिलीवरी लेने के लिए एसआई और उनकी डिलीवरी देने के लिए श्रीगंगानगर आये थे। नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को निस्तौल की डिलीवरी देने के लिए श्रीगंगानगर आये थे।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद ने टीम के साथ गश्त के दौरान आयोपियों को नीलकंठ कर्तानी के पास एक आयोपी को खदान करने के लिए चढ़ाया।

तलाश लेने पर आयोपियों के पास एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस की सूची लिखी थी। इस पर वैधानिक निहालचंद